

## श्रीशिवनामावल्यष्टकम्

{॥ श्रीशिवनामावल्यष्टकम् ॥}

हे चन्द्रचूड मदनान्तक शूलपाणे

स्थाणो गिरीश गिरिजेश महेश शंभो ।

भूतेश भीतभयसूदन मामनाथं

संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥ १ ॥

हे पार्वतीहृदयवल्लभ चन्द्रमौले

भूताधिप प्रमथनाथ गिरीशचाप ।

हे वामदेव भव रुद्र पिनाकपाणे

संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥ २ ॥

हे नीलकण्ठ वृषभध्वज पञ्चवक्त्र

लोकेश शेषवलय प्रमथेश शर्व ।

हे धूर्जटे पशुपते गिरिजापते मां

संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥ ३ ॥

हे विश्वनाथ शिव शंकर देवदेव

गङ्गाधर प्रमथनायक नन्दिकेश ।

बाणेश्वरान्धकरिपो हर लोकनाथ

संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥ ४ ॥

वाराणसीपुरपते मणिकर्णिकेश  
वीरेश दक्षमखकाल विभो गणेश ।  
सर्वज्ञ सर्वहृदयैकनिवास नाथ  
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥ ५ ॥

श्रीमन्महेश्वर कृपामय हे दयालो  
हे व्योमकेश शितिकण्ठ गणाधिनाथ ।  
भस्माङ्गराग नृकपालकलापमाल  
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥ ६ ॥

कैलासशैलविनिवास वृषाकपे हे  
मृत्युञ्जय त्रीनयन त्रिजगन्निवास ।  
नारायणप्रिय मदापह शक्तिनाथ  
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥ ७ ॥

विश्वेश विश्वभवनाशक विश्वरूप  
विश्वात्मक त्रिभुवनैकगुणाधिकेश ।  
हे विश्वनाथ करुणामय दीनबन्धो  
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष ॥ ८ ॥

गौरीविलासभवनाय महेश्वराय  
पञ्चाननाय शरणागतकल्पकाय ।

शर्वाय सर्वजगतामधिपाय तस्मै

दारिद्र्यदुःखदहनाय नमः शिवाय ॥ ९ ॥

इति श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्य

श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य

श्रीमच्छंकरभगवतः कृतौ शिवनामावल्यष्टकं संपूर्णम् ॥

Encoded by Dhruv Chand. Proofread by Sridhar – Seshagiri seshagir at  
engineering.sdsu.edu

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

Last updated त्oday

<http://sanskritdocuments.org>

Shiva Naamavalya Ashtakam Lyrics in Devanagari PDF

% File name : shivanamav.itx

% Category : aShTaka

% Location : doc\\_shiva

% Author : Shankaracharya

% Language : Sanskrit

% Transliterated by : Dhruv Chand

% Proofread by : Sridhar - Seshagiri seshagir at engineering.sdsu.edu

% Latest update : September 3, 2002

% Send corrections to : [Sanskrit@cheerful.com](mailto:Sanskrit@cheerful.com)

% Site access : <http://sanskritdocuments.org>

%

% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study

% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of

% any website or individuals or for commercial purpose without permission.

% Please help to maintain respect for volunteer spirit.  
%

We acknowledge well-meaning volunteers for [Sanskritdocuments.org](http://Sanskritdocuments.org) and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.

Please check their sites later for improved versions of the texts.

This file should strictly be kept for personal use.

PDF file is generated [ October 12, 2015 ] at [Stotram](http://Stotram) Website